



# इडी का एक समन और झारखंड में मध्य गया शेर

झारखंड की राजनीति में एक बार फिर राजनीतिक खलबली मध्य गयी है। मनरेगा के सहारे अवैध खनन और मनी लाइंग की जांच से सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों में आरोप-प्रत्यारोप के बाण चल रहे हैं। एक तरफ विपक्ष ट्रिपल पी के बहाने मुख्यमंत्री को धेने की फिरक में है, तो दूसरी तरफ सर्व राय ने ट्रिपल आर की चर्चा कर रखूवर दास को भी लपेटे में ले लिया है। आज की यह मनी लाइंग स्थिति है। वैसे इडी की एटी ने तो झारखंड में पहले से ही सियासी तापमान बढ़ा दिया था। झारखंड में सरकार जगन के बाद से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यूपीए गंठबद्धन को मजाबूत बदल कर रखा किया था। वह लगातार आगे बढ़ रहे थे कि आटोएस अधिकारी पूजा सिंघल, समन कुमार, प्रेम प्रकाश, पीक मिश्रा और अमित अग्रवाल के गलियारों में दलाली के लिए मध्यूष्ठ प्रेम प्रकाश, मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और कालकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल की गिरफ्तारी ने उस बदल को दिलाना शुरू कर दिया।



सिंघल को खान विभाग में पदस्थापित करने के कारणों के अलावा प्रेम प्रकाश के घर से मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा के लिए तैनात जवानों के नाम आवृत्ति दो एके-47 और 60 गांवों का मिलना शामिल है। सबसे बड़ा आधार जो माना जा रहा है, वह है ज्ञामुपो के पूर्व कोषाध्यक्ष रवि के जरीवाल का इडी को दिया गया बायान, जिसमें उन्होंने प्रेम प्रकाश और अमित अग्रवाल की सत्ता तक पहुंच के बारे में बताया है।

## मैं इडी से घबराता नहीं हूं : हेमंत सोरेन

पहले इडी के समन की बात। प्रवर्तन निदेशलय (इडी) ने अवैध खनन मामले में पूछताछ के हेमंत सोरेन को बायान आया है। उन्होंने कहा है कि वह इडी से डरते नहीं हैं। उन्होंने इससे पहले भी बार-बार यह आरोप लगाया है कि भाजपा के इसारे पर सब कुछ हो रहा है। इधर नवंबर की शाम को महागढ़बंधन के विधायकों की बैठक बुलायी गयी। जेएमएम, कांग्रेस और राजद है। उसके अनुसार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 3 नवंबर को 11:30 बजे रायपुर में होगा। 2 नवंबर को मुख्यमंत्री साहिबगंज में आपकी योजना-अपकी सरकार-अपके द्वारा कार्यक्रम लिए राजनीतियों बनायी गयी। इधर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिए एक बार बायान की जारी कर दिया गया। इस बैठक में मूख्यमंत्री ने धारा-विधायकों को तत्काल रांची पहुंचने के साथ इडी से डरते होने को बताया है। रायपुर पर भी बहाता बोला है। पर इडी की जांच चल रही है, हमें भी बुलाया गया है। हम इससे घबराते हैं। समन भेज कर हमें यह बताया गया कि देखो इडी किया जाना चाहिए। यह आरोप से मुख्यमंत्री ने इडी को बताया है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी को बुला सकते हैं, मूख्यमंत्री को भी बुला सकते हैं। इसमें तीन नवंबर को इडी कार्यालय में सुरक्षा का विशेष प्रबंध करने का अनुरोध किया गया है।

## समन जारी करने का आधार क्या है?

मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए समन जारी करने का मुख्य कारण उनके विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा द्वारा अवैध खनन में शामिल होने और 42 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित करने के अलावा अन्य कई मामले हैं। इसमें मनी लाइंग के आरोप में फंसी आहेस अधिकारी पूजा

इडी की कार्रवाई से वह वटवृक्ष लगातार कमज़ोर हो रहा है। ज्यां-ज्यां इडी अवैध खनन के तह में जाने लगी, सत्ता के करीब रहे पांच प्यादे (पूजा सिंघल, समन कुमार, प्रेम प्रकाश, पीक मिश्रा और अमित अग्रवाल) के गलियारों में दलाली के लिए मध्यूष्ठ प्रेम प्रकाश, मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा और कालकाता के व्यवसायी अमित अग्रवाल की गिरफ्तारी ने उस बदल को दिलाना शुरू कर दिया।



















